पौष-माघ वि.सं. 2077
Pausa-Magha V.S. 2077

अवकाश
20 गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती
26 गणतन्त्र दिवस

पौष-माघ शाके 1942
Pausa-Magha Saka 1942

● ऐच्छिक अवकाश
1 क्रिश्चियन नव वर्ष दिवस
8 श्री पार्श्वनाथ जयन्ती

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार
Government of Rajasthan
जनवरी, 2021 JANUARY

रविवार Sunday	31 (११; 3)	3 (१३; 4-5)	10 (२०; प्र. 12)	17 (२७; 4)	24 (४; 11)
सोमवार Monday	28 (७)	4 (१४; 6)	11 (२१; 13)	18 (२८; 5)	25 (५; 12)
मंगलवार Tuesday	29 (८)	5 (१५; 7)	12 (२२; 14)	19 (२९; 6)	26 (६; प्र. 13)
बुधवार Wednesday	30 (९)	6 (१६; 8)	13 (२३; अमावस्या)	20 (३०; 7)	27 (७; 14)
गुरुवार Thursday	31 (१०)	7 (१७; 9)	14 (२४; पौष शु. 1)	21 (माघ १; 8)	28 (८; पूर्णिमा)
शुक्रवार Friday	● 1 (पौष ११; पौष कृ. 2)	● 8 (१८; 10)	15 (२५; 2)	22 (२; 9)	29 (९; माघ कृ. 1)
शनिवार Saturday	2 (१२; 3)	9 (१९; 11)	16 (२६; 3)	23 (३; 10)	30 (१०; 2)

सर्वधर्म सद्भाव संजोते राजस्थान के आस्था स्थल

श्रध्दा और प्रेम अपनी अनुगूंज से लोक को आह्लादित रखता है ! भाईचारे का अक्षुण्ण जल हरेक को अपनी सुवास से मुदित करता है ! आईये राजस्थान में समन्वित संस्कृति के इन प्रतीकों से सर्वधर्म सद्भाव को संजोने के उपक्रम का पुन: श्रीगणेश करें !!

रणथम्भौर के गजानन : सवाई माधोपुर जिले के अभेद्य संरचना वाले दुर्ग रणथम्भौर में स्थित त्रिनेत्री स्वयम्भू गणेश मन्दिर की बहुत मान्यता है ! प्रतिवर्ष गणेश चतुर्थी पर यहाँ ऐतिहासिक मेला भरता है । इस मन्दिर में दूर-दूर से गणपति के लिए डाक आती है । कोई भी मांगलिक कार्य शुरू करने से पहले लोग गणेश जी को सपरिवार प्रथम निमन्त्रण देकर अपने घर पधारने का आग्रह करते हैं।

फेस मास्क लगाओ - कोरोना को भगाओ।

माघ-फाल्गुन वि.सं. 2077
Magha - Phalguna V.S. 2077

अवकाश

माघ-फाल्गुन शाके 1942
Magha-Phalguna Saka 1942

● ऐच्छिक अवकाश
19 देवनारायण जयन्ती
23 गाडगे महाराज जयन्ती
25 विश्वकर्मा जयन्ती
26 स्वामी रामचरण जयन्ती
27 गुरु रविदास जयन्ती

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार
Government of Rajasthan
फरवरी, 2021 FEBRUARY

रविवार Sunday	११ 31	१८ 7 11	२५ 14 3	२ 21 9	९ 28 फाल्गुन कृ. 1
सोमवार Monday	माघ १२ 1 4	१९ 8 12	२६ 15 4	३ 22 10	१० 1
मंगलवार Tuesday	१३ 2 5	२० 9 प्र. 13	२७ 16 5	● ४ 23 11	११ 2
बुधवार Wednesday	१४ 3 6	२१ 10 14	२८ 17 6	५ 24 प्र. 12	१२ 3
गुरुवार Thursday	१५ 4 7	२२ 11 अमावस्या	२९ 18 6	● ६ 25 13	१३ 4
शुक्रवार Friday	१६ 5 8	२३ 12 माघ शु. 1	● ३० 19 7	● ७ 26 14	१४ 5
शनिवार Saturday	१७ 6 9-10	२४ 13 2	फाल्गुन १ 20 8	● ८ 27 पूर्णिमा	१५ 6

तीर्थगुरु गलता जी

विश्व मानचित्र पर छोटी काशी के नाम से लोकप्रिय जयपुर महान गालव ऋषि की तपोभूमि है जहाँ विख्यात पवित्र तीर्थगुरु गलता जी है। यहाँ पहाड़ी पर सूर्य मन्दिर स्थित है। सूर्य की प्रथम रश्मि मंदिर को भव्य आलोक से भर देती है। पवित्र स्नान हेतु कुंड, यज्ञमंडप, बंदरों की बड़ी टोली से घिरा रामगोपाल मन्दिर परिसर में सुशोभित है।

अड़सठ तीरथ पुष्कर गुरु, गलता कर्पो होसी शुरू

कृमि से छुटकारा, सेहतमंद भविष्य हमारा (राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस-08 फरवरी)

फाल्गुन-चैत्र वि.सं. 2077
Phalguna- Chaitra V.S. 2077

अवकाश
11 महाशिवरात्रि
28 होलिका दहन
29 धुलण्डी

राजस्थान सरकार
Government of Rajasthan
मार्च, 2021 MARCH

फाल्गुन शाके 1942
Phalguna Saka 1942
चैत्र शाके 1943
Chaitra Saka 1943

• ऐच्छिक अवकाश
8 महर्षि दयानन्द सरस्वती जयन्ती
29 शब-ए-बारात

रविवार Sunday	१ **28**	१६ **7** 9	२३ **14** फाल्गुन शु. 1	३० **21** 7	७ **28** पूर्णिमा
सोमवार Monday	फाल्गुन १० **1** 2-3	• १७ **8** 10	२४ **15** 2	चैत्र शाके 1943 १ **22** 8	• ८ **29** चैत्र कृ. 1
मंगलवार Tuesday	११ **2** 4	१८ **9** 11	२५ **16** 3	२ **23** 9	९ **30** 2
बुधवार Wednesday	१२ **3** 5	१९ **10** प्र. 12	२६ **17** 4	३ **24** 10	१० **31** 3
गुरुवार Thursday	१३ **4** 6	२० **11** 13	२७ **18** 5	४ **25** 11	११ **1**
शुक्रवार Friday	१४ **5** 7	२१ **12** 14	२८ **19** 6	५ **26** प्र. 12-13	१२ **2**
शनिवार Saturday	१५ **6** 8	२२ **13** अमावस्या	फाल्गुन २९ **20** 7	६ **27** 14	१३ **3**

बेणेश्वर धाम

सोम और माही नदियों के तट पर, अंचल के सर्वाधिक पूजनीय स्वयंभू शिवलिंग बेणेश्वर मंदिर में स्थित है। बेणेश्वर मंदिर के पास स्थित विष्णु मंदिर मावजी की बेटी जनककुंवारी द्वारा बनाया गया।

एक अत्यंत प्रतिष्ठित संत और भगवान विष्णु का अवतार माने जाने वाले 'मावजी' ने यहाँ अपना समय बिताया था। माघ शुक्ल पूर्णिमा पर सोम व माही नदियों के संगम पर मेला भरता है। यहाँ ब्रह्मा का मन्दिर भी है।

पर्यावरण के चार दुश्मन - जल, थल, वायु, ध्वनि प्रदूषण।

चैत्र-वैशाख वि.सं. 2078
Chaitra-Vaisakha V.S. 2078

चैत्र-वैशाख शाके 1943
Chaitra-Vaisakha Saka 1943

अवकाश
02 गुडफ्राइडे
13 चेटीचण्ड
14 डॉ. आम्बेडकर जयन्ती
21 रामनवमी
25 महावीर जयन्ती

• ऐच्छिक अवकाश
11 महात्मा ज्योतिबा फुले जयन्ती
14 वैशाखी

राजस्थान सरकार
Government of Rajasthan
अप्रेल, 2021 APRIL

रविवार Sunday	सोमवार Monday	मंगलवार Tuesday	बुधवार Wednesday	गुरुवार Thursday	शुक्रवार Friday	शनिवार Saturday
७ 28	८ 29	९ 30	१० 31	चैत्र ११ 1 4	१२ 2 5-6	१३ 3 7
१४ 4 8	१५ 5 9	१६ 6 10	१७ 7 11	१८ 8 12	१९ 9 प्र. 13	२० 10 14
• २१ 11 अमावस्या	२२ 12 अमावस्या	२३ 13 चैत्र शु.1 वि.सं. 2078	• २४ 14 2	२५ 15 3	२६ 16 4	२७ 17 5
२८ 18 6	२९ 19 7	३० 20 8	वैशाख १ 21 9	२ 22 10	३ 23 11	४ 24 प्र. 12
५ 25 13	६ 26 14	७ 27 पूर्णिमा-वैशाख कृ. 1	८ 28 2	९ 29 3	१० 30 4	११ 1

खाटू श्याम जी

हारे का सहारा श्री श्याम बाबा हमारा

महाभारत में भीम के पौत्र बर्बरीक के महान बलिदान (महाभारत युद्ध आरम्भ होने से पूर्व युद्धभूमि पूजन के लिए दोनों लोकों में सर्वश्रेष्ठ क्षत्रिय के शीश की आहुति देने वाले शीश के दानी) और हारे हुए लोगों के साथ होने की भावना से प्रसन्न होकर श्री कृष्ण ने उन्हें वरदान दिया कि वे कलयुग में उनके नाम श्याम से पूजे जायेंगे। बर्बरीक का शीश सम्पूर्ण युद्ध का साक्षी बना व अंत में अपना निर्णय भी सुनाया कि श्री कृष्ण ही युद्ध में विजय प्राप्त कराने में सबसे महान पात्र हैं, उनकी शिक्षा, उपस्थिति, युद्धनीति ही निर्णायक थी। युद्धभूमि में कृष्ण का सुदर्शन चक्र घूमता हुआ दिखाई दे रहा था जो शत्रु सेना को काट रहा था। सम्मिलित कद्दू के स्वरूप में लक्खी मेले में यहां लाखों लोगों का सैलाब उमड़ पड़ता है।

पानी बचाओ, बिजली बचाओ, वृक्ष लगाओ, सबको पढ़ाओ।

वैशाख-ज्येष्ठ वि.सं. 2078
Vaisakha-Jyaistha V.S. 2078

वैशाख-ज्येष्ठ शाके 1943
Vaisakha-Jyaistha Saka 1943

अवकाश
14 परशुराम जयन्ती
14 ईदुलफितर (चांद से)

● ऐच्छिक अवकाश
7 जुमातुलविदा
8 सैन जयन्ती
26 बुद्ध पूर्णिमा

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार
Government of Rajasthan
मई, 2021 MAY

रविवार Sunday	९ **30** 5	१२ **2** 6	१९ **9** 13	२६ **16** 4	२ **23** 11-12
सोमवार Monday	१० **31** 6	१३ **3** 7	२० **10** 14	२७ **17** 5	३ **24** प्र. 13
मंगलवार Tuesday	७ **27**	१४ **4** 8	२१ **11** अमावस्या	२८ **18** 6	४ **25** 14
बुधवार Wednesday	८ **28**	१५ **5** 9	२२ **12** वैशाख शु. 1	२९ **19** 7	● ५ **26** पूर्णिमा
गुरुवार Thursday	९ **29**	१६ **6** 10	२३ **13** 2	३० **20** 8	६ **27** ज्येष्ठ कृ. 1
शुक्रवार Friday	१० **30**	● १७ **7** 11	२४ **14** 3	३१ **21** 9	७ **28** 2
शनिवार Saturday	वैशाख ११ **1** 5	● १८ **8** प्र. 12	२५ **15** 3	ज्येष्ठ १ **22** 10	८ **29** 3-4

अश्वत्थः सर्ववृक्षाणां देवर्षीणां च नारदः ।
गन्धर्वाणां चित्ररथः सिद्धानां कपिलो मुनिः ।।10.26।।

कोलायत : कोलायत बीकानेर का एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है जहाँ सांख्य योग के प्रणेता कपिल मुनि ने संसार से मुक्ति पाने के लिए तपस्या की थी । शांत पवित्र झील,भव्य मंदिर और सुंदर घाट पर्यटकों को आकर्षित करते हैं ।

गुरुद्वारा साहिब कोलायत-सिखों के पहले गुरु नानक देवजी और और दसवें गुरु गोविंद सिंह जी ने कोलायत का दौरा किया। बहुत समय बाद कोलायत झील के उत्तर-पूर्व किनारे में इस ऐतिहासिक यात्रा का स्मारक गुरुद्वारा साहिब कोलायत का निर्माण किया था।

देश का अमूल्य धन - जीवन, जन्तु और वन।

ज्येष्ठ-आषाढ़ वि.सं. 2078
Jyaistha - Asadha V.S. 2078

ज्येष्ठ-आषाढ़ शाके 1943
Jyaistha - Asadha Saka 1943

अवकाश
13 महाराणा प्रताप जयन्ती

● ऐच्छिक अवकाश

राजस्थान सरकार
Government of Rajasthan
जून, 2021 JUNE

रविवार Sunday	30 ९	6 १६ 11	13 २३ 3	20 ३० 10	27 ६ 3
सोमवार Monday	31 १०	7 १७ प्र. 12	14 २४ 4	21 ३१ 11	28 ७ 4
मंगलवार Tuesday	1 ज्येष्ठ ११ 7	8 १८ 13	15 २५ 5	22 आषाढ़ १ प्र. 12	29 ८ 5
बुधवार Wednesday	2 १२ 8	9 १९ 14	16 २६ 6	23 २ 13-14	30 ९ 6
गुरुवार Thursday	3 १३ 9	10 २० अमावस्या	17 २७ 7	24 ३ पूर्णिमा	1 १०
शुक्रवार Friday	4 १४ 10	11 २१ ज्येष्ठ शु. 1	18 २८ 8	25 ४ आषाढ़ कृ. 1	2 ११
शनिवार Saturday	5 १५ 11	12 २२ 2	19 २९ 9	26 ५ 2	3 १२

केशवरायपाटन

चम्बल नदी कोटा के तट पर बसा है प्राचीन नगर केशवरायपाटन तीर्थ। वर्तमान पाटन ही प्राचीन जम्बू अरण्य है। महाभारत तथा विष्णु पुराण में "जंबूमार्ग" वर्णित है। अज्ञातवास के समय विराट नगर जाते हुए पांडवों ने अपना कुछ समय इस अलौकिक स्थान पर बिताया था। अनूठी वास्तुकला से समृद्ध इस मंदिर में श्वेत पाषाण की केशवराय (विष्णु) की चतुर्भुजी प्रतिमा प्रतिष्ठित है। यहाँ राजराजेश्वर मंदिर (शैव) भी प्राचीनकालीन महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। विष्णु, शैव के साथ ही यहाँ जैन मंदिर का होना समन्वित संस्कृति और सद्भाव का अनुपम उदाहरण है। माना जाता है कि इसी स्थान पर वृहद् द्रव्यसंग्रह ग्रंथ की रचना की गई थी।

भूमिदेवरा जैन मंदिर- केशवरायपाटन तीर्थ में जैन मुनि सुव्रतनाथ की 2500 वर्ष प्राचीन शिलाफलक पर मूलनायक प्रतिमा है। इसके अलावा यहाँ तेरहवीं शताब्दी की और भी प्रतिमाएँ हैं। एक अन्य श्वेत शिला फलक पर पद्मप्रभु की खड्गासन मूर्ति है, जो मूर्तिकला की दृष्टि से बहुत आकर्षक है।

देश का अमूल्य धन - जीवन, जन्तु और वन।

आषाढ़-श्रावण वि.सं. 2078
Asadha - Sravana V.S. 2078

अवकाश
21 ईदुलजुहा

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार
Government of Rajasthan
जुलाई, 2021 JULY

आषाढ़-श्रावण शाके 1943
Asadha - Sravana Saka 1943

● ऐच्छिक अवकाश
23 गुरु पूर्णिमा

रविवार Sunday	27 (६)	4 (१३, 10)	11 (२०, आषाढ़ शु. 1)	18 (२७, 9)	25 (३, श्रावण कृ. 1-2)
सोमवार Monday	28 (७)	5 (१४, 11)	12 (२१, 2)	19 (२८, 10)	26 (४, 3)
मंगलवार Tuesday	29 (८)	6 (१५, 12)	13 (२२, 3)	20 (२९, 11)	27 (५, 4)
बुधवार Wednesday	30 (९)	7 (१६, प्र., 13)	14 (२३, 4)	21 (३०, प्र., 12)	28 (६, 5)
गुरुवार Thursday	1 (आषाढ़ १०, 7)	8 (१७, 14)	15 (२४, 5)	22 (३१, 13)	29 (७, 6)
शुक्रवार Friday	2 (११, 8)	9 (१८, अमावस्या)	16 (२५, 6-7)	● 23 (श्रावण १, 14)	30 (८, 7)
शनिवार Saturday	3 (१२, 9)	10 (१९, अमावस्या)	17 (२६, 3)	24 (२, पूर्णिमा)	31 (९, 8)

उदयपुर जगदीश जी

धन्य है राजस्थान के एक राजा की भक्ति की शक्ति जिससे पुरी के जगन्नाथ उदयपुर जगदीश मंदिर में प्रतिष्ठित हैं। प्रतिदिन जगन्नाथ दर्शन के बिना अन्नजल न ग्रहण करने वाले महाराणा जगतसिंह प्रथम को एक बार पुरी में 15 दिन भगवान जगन्नाथ के दर्शन नहीं हुए तब उनकी असीम भक्ति से प्रसन्न भगवान ने स्वप्न में आकर कहा मन्दिर बनवाओ, मैं स्वयं मेवाड़ आऊंगा, मैंने मीराबाई को भी वचन दिया है। जगदीश जी की अलौकिक चमत्कार लिए काली साठ इंच ऊँची चतुर्भुज (हाथों में शंख, चक्र, गदा, पद्म) स्वयम्भू प्रतिमा डूंगरपुर के पास गर्वा गाँव में मिली। पुरी में महाराणा द्वारा धारण कराए हार कई मंदिर में मूर्ति प्रतिष्ठा के कुछ दिनों बाद स्वयं प्रभु के हाथों में थे। प्रतिमा के ठीक सामने गरुड़ आसीन है। शिल्प और स्थापत्य दृष्टि से अनूठे इस मंदिर को बनने में पच्चीस वर्ष लगे। प्रतिवर्ष पुरी जगन्नाथ रथयात्रा के अनुरूप यहाँ भी रथयात्रा निकाली जाती है।

कूड़ा-करकट, गन्दा पानी - रोगों की करते अगवानी।

श्रावण-भाद्रपद वि.सं. 2078
Sravana - Bhadrapad V.S. 2078

श्रावण-भाद्रपद शाके 1943
Sravana - Bhadrapad Saka 1943

अवकाश
09 विश्व आदिवासी दिवस
15 स्वतंत्रता दिवस
19 मोहर्रम (ताजिया) चांद से
22 रक्षाबंधन
30 कृष्ण जन्माष्टमी

● ऐच्छिक अवकाश
29 बदड़ी

राजस्थान सरकार
Government of Rajasthan
अगस्त, 2021 AUGUST

रविवार Sunday	श्रावण १० 1 8	१७ 8 अमावस्या	२४ 15 7	३१ 22 पूर्णिमा	● 29 7
सोमवार Monday	११ 2 9	१८ 9 श्रावण शु. 1	२५ 16 8-9	भाद्र १ 23 भाद्रपद कृ. 1	८ 30 8
मंगलवार Tuesday	१२ 3 10	१९ 10 2	२६ 17 10	२ 24 2	९ 31 9
बुधवार Wednesday	१३ 4 11	२० 11 3	२७ 18 11	३ 25 3	१० 1
गुरुवार Thursday	१४ 5 प्र. 12	२१ 12 4	२८ 19 12	४ 26 4	११ 2
शुक्रवार Friday	१५ 6 13	२२ 13 5	२९ 20 प्र. 13	५ 27 5	१२ 3
शनिवार Saturday	१६ 7 14	२३ 14 6	३० 21 14	६ 28 6	१३ 4

करणी माता

साक्षात जगदम्बा का अवतार मानी जाने वाली करणी माता की सुंदर प्रतिमा वाला भव्य मंदिर बीकानेर से तीस किलोमीटर दूर देशनोक में स्थित है। ये 'टेम्पल ऑफ रैट्स' के नाम से भी विख्यात है। 25,000 चंचल काले चूहे करणी माता के चरणों और सफेद संगमरमर के चूने मंदिर के प्रांगण में विचरते हैं। यहाँ दर्शनार्थियों को श्वेत चूहा दिखना बेहद शुभ माना जाता है। किंवदंती है कि करणी माता के बेटे लक्ष्मण की एक तालाब में डूबने से मृत्यु हो गई। करणी माता ने उन्हें जीवित करने के लिए यमराज से प्रार्थना की। यमराज इस शर्त पर माने कि लक्ष्मण और उनके सभी बंधुजन, चूहों के रूप में जिन्दा रहेंगे, तभी से यहाँ चूहे पूजनीय हैं। करणी माता के प्रति असीम श्रद्धा और आदर व्यक्त करने दूर-दूर से लोग यहाँ आते हैं।

शिशु को छः जानलेवा बीमारियों से बचाये - समय पर टीके लगवायें।

भाद्रपद-अश्विन वि.सं. 2078
Bhadrapad - Asvina V.S. 2078

अवकाश
16 रामदेव जयन्ती, तेजा दशमी एवं खेजड़ली शहीद दिवस

भाद्रपद-आश्विन शाके 1943
Bhadrapad - Asvina Saka 1943

● ऐच्छिक अवकाश
10 गणेश चतुर्थी
11 संवत्सरी
19 अनन्त चतुर्दशी

राजस्थान सरकार
Government of Rajasthan

सितम्बर, 2021 SEPTEMBER

रविवार Sunday	७ 29	१४ 5 13	२१ 12 6	• २८ 19 14	४ 26 5
सोमवार Monday	८ 30	१५ 6 14	२२ 13 7	२९ 20 पूर्णिमा	५ 27 6
मंगलवार Tuesday	९ 31	१६ 7 अमावस्या-भाद्रपद शु.1	२३ 14 8	३० 21 आश्विन कृ. 1	६ 28 7
बुधवार Wednesday	भाद्र १० 1 10	१७ 8 2	२४ 15 9	३१ 22 2	७ 29 8
गुरुवार Thursday	११ 2 10	१८ 9 3	२५ 16 10	आश्विन १ 23 2	८ 30 9
शुक्रवार Friday	१२ 3 11	• १९ 10 4	२६ 17 11	२ 24 3	९ 1
शनिवार Saturday	१३ 4 प. 12	• २० 11 5	२७ 18 प. 12-13	३ 25 4	१० 2

चारभुजा नाथ मन्दिर, कोटड़ी

भीलवाड़ा के कोटड़ी तहसील में भगवान विष्णु को समर्पित इस भव्य मंदिर की शोभा देखते ही बनती है। बाहर सुंदर स्थापत्य और भीतर गर्भगृह में चारभुजानाथ की चित्ताकर्षक छवि सबका मन मोह लेती है। श्रीकृष्ण ने विश्वकर्मा से स्वर्ण व बलराम की मूर्तियां बनवाई और कहा ये दोनों मूर्तियां पेरो हैं और मैं ही इनमें हूं। कलयुग में प्रेम से इनका दर्शन व पूजा करना सुख है। इन्द्र ने इन मूर्तियों को पांडव व सुदामा को प्रदान किया। वर्तमान में गढ़बोर में चारभुजा जी के नाम से स्थित प्रतिमा पांडवों द्वारा पूजी जाने वाली मूर्ति और सुदामा द्वारा पूजी जाने वाली मूर्ति रूपनारायण जी के नाम से सेवरी गांव में स्थित है। कहा जाता है कि पांडव हिमालय जाने से पूर्व मूर्ति को जलमग्न करके गए थे ताकि इसको पवित्रता को कोई खंडित न कर सके। मूर्ति को कई बार जलमग्न रखा गया है।

जो बच्चे मां का दूध पियेंगे - स्वस्थ रहेंगे, खूब जियेंगे।

02 महात्मा गांधी जयन्ती
07 नवरात्रा स्थापना
13 दुर्गाष्टमी
15 विजयदशमी
19 बारावफात (चांद से)

• ऐच्छिक अवकाश
14 महानवमी
24 करवा चौथ

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार
Government of Rajasthan
अक्टूबर, 2021 OCTOBER

रविवार Sunday	31 (९) 10	3 (११) 12	10 (१८) 5	17 (२५) प्र. 12	• 24 (२) 4
सोमवार Monday	27 (५)	4 (१२) प्र. 13	11 (१९) 6	18 (२६) 13	25 (३) 5
मंगलवार Tuesday	28 (६)	5 (१३) 14	12 (२०) 7	19 (२७) 14	26 (४) 5
बुधवार Wednesday	29 (७)	6 (१४) अमावस्या	13 (२१) 8	20 (२८) पूर्णिमा	27 (५) 6
गुरुवार Thursday	30 (८)	7 (१५) आश्विन शु. 1	• 14 (२२) 9	21 (२९) कार्तिक कृ. 1	28 (६) 7
शुक्रवार Friday	1 (आश्विन ९) 10	8 (१६) 2	15 (२३) 10	22 (३०) 2	29 (७) 8
शनिवार Saturday	2 (१०) 11	9 (१७) 3-4	16 (२४) 11	23 (कार्तिक १) 3	30 (८) 9

सांवलिया सेठ

चित्तौड़गढ़ के सांवलिया जी लोक आस्था के केंद्र हैं। ये मीरा बाई के गिरधर गोपाल हैं जब ये महान संतों की जमात में कीर्तन करते हुए डगर-डगर जाती थी तब दयाराम संत के पास ये प्रतिमाएं थी, औरंगजेब के आक्रमण से बचाने के लिए इन्हें जमीन में छुपा दिया गया, वर्षों बाद ये प्रकट हुई और मन्दिर में प्रतिष्ठित की गयी। मान्यता है कि नानी बाई का मायरा करने के लिए स्वयं श्री कृष्ण ने यह रूप धारण किया था। व्यापार को बढ़ाने के लिए लोग सांवलिया सेठ को अपना बिजनेस पार्टनर बनाते हैं।

प्लास्टिक हटाओ - पर्यावरण बचाओ।

कार्तिक-मार्गशीर्ष वि.सं. 2078
Kartika - Margsirsh V.S. 2078

कार्तिक मार्गशीर्ष शाके 1943
Kartika - Margsirsh 1943

अवकाश
04 दीपावली
05 गोवर्धन पूजा
06 भैया दोज
19 गुरुनानक जयन्ती

● ऐच्छिक अवकाश

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार
Government of Rajasthan
नवम्बर, 2021 NOVEMBER

रविवार Sunday	९ 31	१६ 7 3	२३ 14 11	३० 21 2	७ 28 9
सोमवार Monday	कार्तिक १० 1 11	१७ 8 4	२४ 15 12	अग्रहायण १ 22 3	८ 29 10
मंगलवार Tuesday	११ 2 प्र. 12	१८ 9 5	२५ 16 प्र. 12	२ 23 4	९ 30 11
बुधवार Wednesday	१२ 3 13-14	१९ 10 6-7	२६ 17 13	३ 24 5	१० 1
गुरुवार Thursday	१३ 4 अमावस्या	२० 11 8	२७ 18 14	४ 25 6	११ 2
शुक्रवार Friday	१४ 5 कार्तिक शु. 1	२१ 12 9	२८ 19 पूर्णिमा	५ 26 7	१२ 3
शनिवार Saturday	१५ 6 2	२२ 13 10	२९ 20 मार्गशीर्ष कृ. 1	६ 27 8	१३ 4

नाथद्वारा

"श्रीनाथं देवदमनं वदिष्यन्ति सज्जनाः"

श्रीनाथद्वारा पुष्टिमार्गीय वैष्णव सम्प्रदाय का प्रमुख पीठ है। यह राजस्थान के राजसमंद जिले में स्थित है पूर्व में श्रीनाथजी की दिव्य प्राकट्य छवि मथुरा गोवर्धन में पूजित थी। औरंगजेब के आक्रमण से बचाने के लिए से इन्हें आगरा व तत्पश्चात् वहां से आगे ले जाया जा रहा था, तब उस समय बैलगाड़ी का पहिया ग्राम सिंहाड़ में रुक गया। मेवाड़ के महाराणा ने इसे श्रीजी का दिव्य आदेश मान कर यहाँ श्रीनाथद्वारा बसाया। आज यह एक प्रमुख पर्यटक स्थल है।

बाल विवाह बड़ा अभिशाप - बन्द करो अब इसको आप।

प्लास्टिक हटाओ - पर्यावरण बचाओ।

मार्गशीर्ष - पौष वि.सं. 2078
Margsirsh - Pausa V.S. 2078

अवकाश
25 क्रिसमस डे

सत्यमेव जयते

अग्रहायण - पौष शाके 1943
Agrahayana - Pausa Saka 1943

• ऐच्छिक अवकाश
29 श्री पार्श्वनाथ जयन्ती

राजस्थान सरकार
Government of Rajasthan
दिसम्बर, 2021 DECEMBER

रविवार Sunday	सोमवार Monday	मंगलवार Tuesday	बुधवार Wednesday	गुरुवार Thursday	शुक्रवार Friday	शनिवार Saturday
७ **28**	८ **29**	९ **30**	अग्रहायण १० **1** 12	११ **2** प्र. 13	१२ **3** 14	१३ **4** अपरान्हा
१४ **5** मार्गशीर्ष शु. 1-2	१५ **6** 3	१६ **7** 4	१७ **8** 5	१८ **9** 6	१९ **10** 7	२० **11** 8
२१ **12** 9	२२ **13** 10	२३ **14** 11	२४ **15** 12	२५ **16** 13	२६ **17** 14	२७ **18** 14
२८ **19** पूर्णिमा	२९ **20** पौष कृ. 1	३० **21** 2	पौष १ **22** 3	२ **23** 4	३ **24** 5	४ **25** 6
५ **26** 7	६ **27** 8	७ **28** 9	• ८ **29** 10	९ **30** 11	१० **31** 12-13	११ **1**

सालासर बालाजी धाम, चूरू

पूरे भारत में एक मात्र सालासर में दाड़ी मूंछों वाले हनुमान यानी बालाजी स्थापित हैं। मुस्लिम कारीगरों द्वारा निर्मित मोकर जिले की सीमा पर स्थित सालासर बालाजी मंदिर के बारे में किवदंती है कि गांव आसोटा में एक जाट खेत जोत रहा था तभी उसके हल की नोक किसी पत्थर से टकराई। जाट ने अपने अंगोछे से साफ किया तो उस पर बालाजी की छवि नजर आयी, इतने में जाट की पत्नी खाना लेकर आई, उसने बड़े प्रेम से बालाजी के मूर्ति को बाजरे के चूरमे का पहला भोग लगाया, तब से यहां चूरमे के भोग की प्रथा है। सालासर बालाजी में अंजनि माता का भी भव्य मंदिर है।

जन - जन का संकल्प महान, साक्षर होगा राजस्थान।